2025

M.A. 1st Semester Examination

HINDI

Paper : HINE404A0/B0

Full Marks : 50 Time : Two Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

HINE404A0

(प्रेमचंद)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'रंगभूमि' उपन्यास की मूल समस्या पर प्रकाश डालिए।

(ख) संवेदना के धरातल पर 'सद्गति' और 'दो बैलों की कथा' का तुलनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(ग) 'साहित्य का उद्देश्य' निबन्ध में प्रेमचंद के विचारों की विवेचना कीजिए।

(घ) 'कर्बला' नाटक के मूल प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'गबन' उपन्यास की नायिका 'जालपा' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) 'नमक का दरोगा' कहानी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'ठाकुर का कुआँ' कहानी भारतीय समाज के चरित्र को दर्शाती है — इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'कर्बला' नाटक के मुख्य पात्र की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

(ङ) "उन्नति से हमारा तात्पर्य उस स्थिति से है जिससे हममें दृढ़ता और कर्मशक्ति उत्पन्न हो, जिससे हमें अपनी दुःखावस्था की अनुभूति हो, हम देखें कि किन अन्तर्बाह्य कारणों से हम इस निर्जीवता और ह्रास की अवस्था को पहुँच गए और उन्हें दूर करने की कोशिश करें।" — इस अंश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

(च) "उस अभागे को अब अगर किसी विचार से संतोष होता था तो यह था कि वह मेरे पूर्व जन्म का संस्कार है। स्त्री को वे काम करने पड़ते थे, जो उसने कभी न किये थे, बच्चे दाने को तरसते थे, लेकिन शंकर चुपचाप देखने के सिवा और कुछ न कर सकता था।" — इस कथन के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

Internal Assessment - 10 marks

Paper : HINE404B0

(निराला)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) पठित पाठों के आधार पर निराला की प्रगतिशील चेतना पर विचार कीजिए।

(ख) 'कुल्लीभाट' का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) "चतुरी चमार' कहानी निम्न जाति में आत्म-सम्मान की नयी चेतना के प्रादुर्भाव की कहानी है।" — इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'हमारे साहित्य का ध्येय' निबंध के आधार पर निराला की साहित्य संबंधी अवधारणा पर विचार कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'जूही की कली' कविता का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) "भारति, जय, विजयकरे!
कनक-शस्य-कमलधरे!
लंका पदतल शतदल
गर्जितोर्मि सागर-जल,
धोता शुचि चरण युगल
स्तव कर बहु-अर्थ-भरे।"

— इस अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

(ग) "धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध
धिक् साधन, जिसके लिए सदा ही किया शोध
जानकी! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका।"

— इस अंश का भाव-पल्लवन कीजिए।

(घ) कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत-मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार, :-
सामने तरु मालिका अट्टालिका, प्राकार।

— इस अंश का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

(ङ) पथवारीदीन भट्ट की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(च) अबे, सुन बे, गुलाब
भूल मत जो पाई खुशबू, रंगोआब,
खून चूसा खाद का तूने आशीष्ट,
डाल पर इतराता है केपीटलिस्ट

— इस अंश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

Internal Assessment - 10 marks